



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 175]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 4, 2000/श्रावण 13, 1922

No. 175]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 4, 2000/SRAVANA 13, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2000

प्रारंभिक जांच-परिणाम

विषय : यू.एस.ए., जापान तथा यूरोपीय संघ (ई.यू.) से हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट (एच.ए.एस.) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच।

सं. 53/1/99-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 तथा उसके सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए:

क. कार्य पद्धति

1. जांच के लिए निम्नलिखित कार्य पद्धति अपनाई गई है:-

i निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) के नियमों के अधीन मैसर्स दीपक नाइट्राईट लि०, बड़ौदा से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें य.एस.ए., जापान तथा यूरोपीय संघ (ई.यू.) (इसके बाद जिन्हें सम्बद्ध देश/क्षेत्र कहा जाएगा) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट के पाटन का आरोप लगाया गया है;

ii प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर सम्बद्ध देशों/क्षेत्र से हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट के आयातों के विरुद्ध जांच प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। इन नियमों के उपनियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले प्राधिकारी ने पाटन का आरोप प्राप्त होने के बारे में सम्बद्ध देशों के दूतावासों/प्रतिनिधिमंडल को सूचित किया।

iii प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची -I के उपशीर्ष सं० 2825-1003 के अंतर्गत वर्गीकृत सम्बद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच प्रारंभ करते हुए दिनांक 3 मार्च, 2000 की एक सार्वजनिक सूचना भारत के राजपत्र, असाधारण, में प्रकाशित कराई;

iv प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) और उद्योग संघों को भेजी, और उन्हें नियम 6 (2) के अनुसार अपने विचार लिखित रूप में देने का अवसर प्रदान किया।

v प्राधिकारी ने भारत में हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट के ज्ञात आयातकों को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उनसे इस पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप से देने के लिए कहा।

vi केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीईसी) से जांच अवधि सहित पिछले 3 वर्षों के दौरान भारत में हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट के आयातों का विवरण देने का अनुरोध किया गया था।

vii प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियम 6(3) के अनुसार अगोपनीय याचिका की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के दूतावासों/शिष्टमंडल को भेजी।

viii प्राधिकारी ने सम्बद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए नियम 6(4) के अनुसार यूएसए, जापान तथा यूरोपीय संघ (ई.यू.) के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों, जो याचिकाकर्ता द्वारा बतलाए गए थे, को प्रश्नावली भेजी:-

यूएसए

- मैसर्स एलाईड सिग्नल इंक

जापान

- मै० यूबीई इंडस्ट्रीज लि०, शिगवा, जापान
- मै० टोआगोसेई कं० लि०, जापान

यूरोपीय संघ

- मै० बीएसएफ, जर्मनी
- मै० डीएसएम, नीदरलैंड्स

ix प्रश्नावली का उत्तर बीएसएफ एक्टिन्जे सैल शीफ्ट, मै0 यू बी ई इंडस्ट्रीज लि0, जपान, मैसर्स टोआगोसे कं0 लि0, जापान तथा मै0 डीएसएफ, नीदरलैंड्स से प्राप्त हुआ। अन्य किसी निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया।

x सम्बद्ध देशों के नई दिल्ली स्थित दूतावासों/शिष्टमंडल को भी नियम 6(2) के अनुसार जांच आरंभ किए जाने की सूचना दे दी गई थी और उनसे अनुरोध किया गया था कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली भरकर भेजने की सलाह दें। इस पत्र, याचिका और निर्यातकों को भेजी गई प्रश्नावली की प्रति ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित दूतावासों को भी भेजी गई थी।

xi नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए हाइड्रोक्सिल एमिन सल्फेट के निम्नलिखित ज्ञात आपातकों/होलसेल डीलरों को भी एक प्रश्नावली भेजी गई थी :—

- मै0 ग्लैक्सो इंडिया लि0, मुंबई
- मै0 सिरिस लि0, हैदराबाद
- मै0 शासुन कैमिकल्स एंड ड्रग्स, लि0, चेन्नई
- मै0 अरविदो फार्मा लि., हैदराबाद
- मै0 कैमीनोर ड्रग्स लि0, हैदराबाद
- मै0 कैमोक्स लैबोरेट्रीज लि0, मुंबई
- मै0 गोदावरी ड्रग्स लि0, सिकंदराबाद
- मै0 विरछो लैबोरेट्रीज लि0, हैदराबाद
- मै0 एसओएल फार्मास्यूटीकल्स लि0, हैदराबाद
- मै0 हेरन ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स, हैदराबाद
- मै0 हसमुख रे एंड कं0, मुंबई
- मै0 अरिहंत इम्पेक्स, मुंबई
- मै0 बीएसएफ इण्डिया, मुम्बई
- मै0 एलाईड सिग्नल इंडिया प्रा0 लि0, नई दिल्ली
- मै0 प्रिया इंटरनेशनल, मुंबई
- मै0 उरमी कैमिकल्स, मुंबई
- मै0 मनाली कैमिकल्स, मुंबई
- मै0 इंडियन कैमिकल मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन, नई दिल्ली
- आर्गनाइजेशन ऑफ फार्मास्यूटिकल्स प्रोड्यूसर्स ऑफ इंडिया, मुंबई
- इंडियन ड्रग्स मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन, मुंबई
- बल्क ड्रग्स मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन, हैदराबाद
- पैस्टीसाईड्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली

- फ्रैंगरेंस एंड फ्लेबर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, मुंबई
- रबड बोर्ड ऑफ इंडिया, केरल
- इंडियन मैडिकल एसोसिएशन, मुंबई शाखा, मुंबई
- इंडियन फार्मास्यूटिकल्स एसोसिएशन, मुंबई

लेकिन हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट के निम्नलिखित आयातकों ने उत्तर दिया:-

- मैसर्स सिरिस लि०, हैदराबाद
- मै० शासुन कैमिकल्स एंड ड्रग्स लि०, चेन्नई ।
- मै० विरछो लेबोरेटरीज लि०, हैदराबाद
- मै० गोदावरी ड्रग्स लि०

xii क्षति के बारे में याचिकाकर्ता से अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी जो उन्होंने दे दी थी।

xiii प्राधिकारी ने, अपने पास सार्वजनिक फाइल के रूप में रखे गए, विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों द्वारा देखने के लिए खुला रखा;

xiv प्राधिकारी ने आवश्यक समझी गई सीमा तक घरेलू उद्योग की मौके पर जांच की;

xv सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) तथा याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सूचना के आधार पर भारत में विषयगत माल की इष्टतम उत्पादन लागत तथा माल को बनाने और बेचने की न्यूनतम लागत का हिसाब लगाने के लिए लागत जांच भी की गई;

xvi * * * * यह चिह्न इस अधिसूचना में एक हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना तथा नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उसे ऐसा ही माने जाने का द्योतक है;

xvii जांच 1 जुलाई, 1999 से 31 दिसंबर, 1999 तक की अवधि के लिए की गई थी ।

ख. याचिकाकर्ता के विचार

2. याचिकाकर्ता ने हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट के पाटन और उसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में निम्नलिखित विचार व्यक्त किए हैं:

(i) पाटन:

(क) अमरीका, जापान और यूरोपीय संघ से हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट की आयात कीमत में महत्वपूर्ण गिरावट आई है। इन देशों के निर्यातकों ने पिछले छः महीनों में कीमत लगभग 50% तक कम की है तथा आयातों की पहुँच कीमत में गत 4 वर्षों से लगातार गिरावट आती रही है। पिछले वर्षों तथा जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों का कीमत रुझान निम्नानुसार है:-

		निर्यात कीमत (अमरीकी डालर/मी. टन)		वर्ष 1999 का उत्तरार्द्ध (जांच अवधि)
क्र.सं.	देश का नाम	1997-98	1998-99	
1.	जापान	1532.14	1504.65	1190.36
2.	यूएसए	कोई आयात नहीं	1421.69	903.51

यूरोपीय संघ

		निर्यात कीमत (अमरीकी डालर/मी. टन)		वर्ष 1999 का उत्तरार्द्ध (जांच अवधि)
क्र.सं.	देश का नाम	1997-98	1998-99 (वर्ष 1999 का उत्तरार्द्ध)	
1.	जर्मनी	1447.52	1543.94	996.89
2.	यू.के.	1444.92	1494.2	1002.31
3.	नीदरलैण्ड	1430.19	1457.28	960.21

(ख) अमरीका के मामले में याचिकाकर्ता द्वारा दावा किया गया सामान्य मूल्य अमरीका में प्रचलित घरेलू कीमत पर आधारित है। अन्य देशों के मामले में घरेलू उद्योग द्वारा दावा किया गया सामान्य मूल्य परिकलित सामान्य मूल्य पर आधारित है। सभी देशों के मामले में परिकलित पाटन मार्जिन बहुत महत्वपूर्ण पाटन मार्जिन दर्शाता है।

(ii) क्षति के बारे में

याचिकाकर्ता को क्षति हुई है, जैसाकि निम्नलिखित से देखा जा सकता है:-

(क) सम्बद्ध देशों से होने वाले हाइड्रोक्सिल एमीन एल्फेट के निर्यात की कीमत में महत्वपूर्ण रूप से गिरावट आई है, जैसा कि ऊपर दर्शाया गया है। जुलाई, 1999 के पश्चात् निर्यात कीमत में गिरावट अधिक महत्वपूर्ण है, जैसाकि निर्दिष्ट प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों से पता चला है। इस गिरावट का सीधा परिणाम यह हुआ कि आयातित माल की पहुँच कीमत में महत्वपूर्ण गिरावट आई जिससे उद्योग को अपनी बिक्री कीमत कम करने के लिए मजबूर होना पड़ा। मौजूदा आयातों की कीमत इतनी कम है जो कि उत्पादन लागत से भी बहुत कम है और

वास्तव में यह घरेलू उद्योग की परिवर्तनीय लागत से कम हैं। निर्यात कीमत में इस आकस्मिक और भारी कटौती से भारतीय बाजार में गम्भीर रूप से कीमत में कमी आ रही है।

(ख) घरेलू उद्योग की औसत बिक्री वसूली 1997-98 के दौरान की *** प्र. मी. टन से गिरकर वर्ष 1999 के उत्तरार्ध के दौरान *** प्र. मी. टन तक हो गई। यह बिक्री कीमत में लगभग 20% की गिरावट दर्शाता है।

(ग) घरेलू उद्योग का अन्तिम स्टॉक जुलाई, 1999 में *** मी. टन था जो बढ़कर दिसम्बर, 1999 के दौरान *** मी. टन हो गया।

(घ) बिक्री कीमत घटाने के बाद भी कम्पनी की बिक्री मात्रा में गिरावट आई है। यदि घरेलू उद्योग ने बिक्री कीमत कम नहीं की होती तो बिक्री में और अधिक तथा तेजी से गिरावट आई होती।

(ङ) याचिकाकर्ता का उत्पादन 750 मी. टन प्रति वर्ष की उनकी क्षमता की तुलना में 1997-98 के दौरान 643 मी. टन था। 975 मी. टन प्रति वर्ष की बढ़ी हुई क्षमता की तुलना में 1998-99 के दौरान उत्पादन बढ़कर 682 मी. टन हो गया। जांच अवधि के दौरान उत्पादन छः माह के लिए 487.5 मी. टन की क्षमता की तुलना में 376 मी. टन था। कम्पनी के उत्पादन में नाममात्र की वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन में इस वृद्धि की क्षमता में वृद्धि और घरेलू उद्योग की बिक्री वसूली में गिरावट के संदर्भ में देखा जाए।

(च) 1997-98 के दौरान सम्बद्ध देशों से आयात 3061.46 मी. टन थे जो 1998-99 में गिरकर 2883.72 मी. टन और इससे आगे गिरकर जुलाई और अगस्त (दो महीने) के दौरान 647 मी. टन रह गए। सम्बद्ध देशों से कुल आयातों का हिस्सा 1998-99 के दौरान 84.02% था जो जांच अवधि के दौरान बढ़कर 100% हो गया।

(छ) घरेलू उद्योग ने या तो सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण अपने उपभोक्ताओं को अथवा अपनी बिक्री को खो दिया है।

(ज) दीपक नाइट्राइट लि. एक बहु-उत्पाद, बहु-विभागीय कम्पनी है जो विभिन्न रासायनिक पदार्थों का उत्पादन करती है। कम्पनी अलग से अपने खाते नहीं रखती है। तथापि कम्पनी के आंतरिक रिकार्डों के अनुसार कम्पनी को भारतीय बाजार में हाइड्रोक्सिल एमीन की बिक्रीयों पर भारी नुकसान हुआ है जैसा कि उत्पादन की इकाई लागत, बिक्री कीमतों तथा लाभ/हानि के बारे में याचिका में दी गई सूचना से पता चलता है। इसके अलावा, कम्पनी द्वारा घरेलू बाजार के बड़े आकार और विगत में उचित कीमतों पर विचार करते हुए क्षमताओं में पर्याप्त वृद्धि की गई है। तथापि, ऐसा प्रतीत होता है कि सम्बद्ध देशों के निर्यातकों ने अपनी कीमतों को महत्वपूर्ण रूप से अचानक कम कर दिया है।

(झ) वर्ष 1998 में 3629.25 मी. टन की कुल मांग की तुलना में याचिकाकर्ता कम्पनी की कुल बिक्री 745.25 मी. टन थी। 1999 के पूर्वार्ध के दौरान 1189.63 मी. टन की कुल मांग की तुलना में कुल बिक्री 413.63 मी. टन थी जो जांच अवधि के दौरान लगभग 2000 मी. टन की कुल मांग की तुलना में और घटकर 254.33 मी. टन हो गई।

(ग) निर्यातक, आयातक और अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार3. निर्यातकों के विचार

(क) निर्यातक मैसर्स डी एस एम, नीदरलैंड और मैसर्स टोगोसी कंपनी लि०, जापान ने सूचित किया है कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत के संबंध सामग्री का निर्यात नहीं किया है।

(ख) बी ए एस एफ अकतैंगसेल्शाफ्ट, जर्मनी और मैसर्स यू बी ई इंडस्ट्रीज लि०, जापान ने निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा मांगी गई सूचना प्रस्तुत की है। मैसर्स बी ए एस एफ की सामान्य टिप्पणियां नीचे दी गई हैं-

(i) भारत विश्व में एच ए एस का सबसे बड़ा बाजार है। एच ए एस का मुख्य रूप से इथिल सल्फामेथाक्साजोल (एस एम एक्स) के लिए किया जाता है जो एक एंटी बैयोटिक औषधि है।

(ii) हमारे प्रमुख भारतीय ग्राहक हमें एस एम एक्स की विश्व बाजार की कीमतों के बारे में नियमित आधार पर सूचित कर रहे हैं। हमारे मुख्य लेखा-जोखों से यह स्पष्ट हुआ था कि अप्रैल 1998 से दिसम्बर, 1999 तक चीन से मिली प्रतिस्पर्धा के कारण एस एम एक्स की कीमतें 9.85 अमरीकी डालर से घटकर 6.10 अमरीकी डालर (लगभग-40%) हो गई थीं। भारतीय एस एम एक्स विनिर्माताओं को निर्यात और घरेलू आपूर्तिकर्ता के रूप में एस एम एक्स के व्यापार में बने रहने और बी ए एस एफ को भारतीय हाइड्रोक्सिल एमिन सल्फेट के बाजार में बने रहने में समर्थ बनाने के लिए हम अपनी कीमतों को उसके बराबर घटाने के लिए सहमत हो गए थे।

(iii) उन अन्य देशों की तुलना में, जिनके साथ हमारे दीर्घावधि संविदाएं हैं, भारत एक हाजिर बाजार है।

(iv) चूंकि हाजिर बाजार संविदा व्यापार की तुलना में कीमत के प्रभावों पर काफी अतिशीघ्र प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं इसलिए भारत की कीमतें विश्व के अन्य भागों की कीमतों की तुलना में दोनों दिशाओं में तेजी से बढ़ रही हैं।

(v) इसके अतिरिक्त, अमरीका की कीमतों और एच ए एस के घरेलू ग्राहकों की कीमतों की तुलना नहीं की जा सकती है क्योंकि चीन और भारत के अलावा एस एम एक्स के कोई ज्ञात विनिर्माता नहीं हैं इसलिए हमारे लिए एस एम एक्स कीमतों को घटाने के बाजारी दबाव नहीं है ताकि उसी गति एवं परिणामों के साथ एस ए एस की कीमतें घटाई जा सकें

(vi) भारतीय उत्पादक दीपक नाइट्राइट की उत्पादन क्षमता बहुत कम है, जो भारतीय बाजार की कुल मांग का केवल 10% ही पूरा कर पाती है। बड़े पैमाने पर किफायतों की कमी के

कारण प्रतिस्पर्धी कम लागत पर इस लघु क्षमता में उत्पादन नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा, दीपक नाइट्रेट की उत्पादन प्रौद्योगिकी पुरानी है। इन सब बातों से यह स्पष्ट हो जाता है कि दीपक नाइट्रेट लागत प्रतिस्पर्धी क्यों नहीं है। डी एस एम नीदरलैंड जैसी कंपनियों जिन्होंने दीपक नाइट्रेट के समान प्रौद्योगिकी पर कार्य किया था, को सन् 1997 में ऐसे समय में अपना उत्पादन बंद करना पड़ा था जबकि बाजार कीमतें उच्चतर स्तर पर थीं। इसलिए हमारी राय में इस आरोपित क्षति के लिए वे स्वयं जिम्मेवार हैं और यह आरोपित पाटित आयातों द्वारा नहीं पहुंची है।

- (vii) निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना की प्राधिकारी द्वारा जांच की गई है और निष्कर्षों में उचित स्थानों पर उन पर विचार किया गया है।

4. आयातकों के विचार

(क) गोदावरी ड्रग्स लिमिटेड

- (i) यह कि हम एस एम एक्स का विनिर्माण कर रहे हैं और भारत में लगभग ऐसे छः उद्योग हैं जो विश्व की जरूरत का लगभग 80% का विनिर्माण करते हैं अर्थात् 700 मी.टन प्रति माह, विविध और अन्य विनिर्माता 200 मी.टन माह।
- (ii) एच ए एस का उपयोग 0.8 एस एम एक्स के एक किग्रा. के अनुपात में किया जाता है इस तरह एस एम एक्स विनिर्माता द्वारा एच ए एस का उपयोग लगभग 700 मी.टन प्रति माह किया जाता है।
- (iii) उत्पादित एस एम एक्स का औसतन 60% निर्यात किया जाता है जिससे कि प्रति वर्ष लगभग 324 लाख अमरीकी डालर की कीमती विदेशी मुद्रा लायी जाती है।
- (iv) वर्तमान में एच ए एस का आयात जापान, यू एस ए, जर्मनी जैसे विभिन्न देशों के विभिन्न विनिर्माताओं से किया जाता है।
- (v) एकमात्र स्थानीय विनिर्माता अर्थात् दीपक नाइट्रेट के पास 60 टन की मूल क्षमता है जिसे अब बढ़ाकर 120 टन प्रति माह कर दिया गया है और हमारी सूचना से यह स्पष्ट होता है कि वे 80 से 90 टन प्रति माह से ज्यादा का उत्पादन नहीं कर रहे हैं।
- (vi) उपरोक्त क्षमता छः प्रमुख उपभोक्ताओं अर्थात् विसॉ, सिरिस और गोदावरी ड्रग्स लि., इंडोसोल, एप्टे की जरूरतों को पूरा नहीं कर सकती है जो प्रति माह अनुमानतः 550 मी. टन एच ए एस की खपत करते हैं।

(vii) हाइड्रोक्सील एमिन सल्फेट की पाटनरोज़ी जांच शुरू करते समय निम्नलिखित तथ्यों पर मुख्य रूप से विचार करना होता है-

(क) यह कि एस एम एक्स के सभी प्रमुख विनिर्माताओं को एस एम एक्स की कीमतों जो अंतर्राष्ट्रीय बाजार से शासित होती हैं, पर आंतरिक प्रतिस्पर्धा के कारण काफी घाटा हो रहा है और एस एम एक्स के दर की प्रवृत्ति वर्ष 1997-98 के दौरान 9.00 अमरीकी डालर की तुलना में 6 अमरीकी डालर/किग्रा. के लगभग नीचे चल रही थी ।

(ख) एस एम एक्स के विनिर्माण के लिए एस ए एस एक मुख्य कच्ची सामग्री होने के कारण इस उद्योग को हो रहे नुकसान से और अधिक नुकसान होगा ।

(ग) इसके अलावा, स्थानीय एच ए एस की गुणवत्ता तुनात्मक रूप से कहीं नहीं टिकती है और यह आयातित सामग्री के अनुरूप नहीं है । इससे एस एम एक्स के उत्पादन पर सीधे असर पड़ता है और जिससे वित्तीय नुकसान होता है ।

(घ) जब सरकार एस एम एक्स के विनिर्माताओं की आंतरिक प्रतिस्पर्धा से बचने की स्थिति में नहीं है जो कम बिक्री प्राप्ति के कारण भारी नुकसान उठा रहे हैं, तब उस स्थानीय विनिर्माता को संरक्षण देना उचित नहीं होगा जो एच ए एस की हमारी कुल जरूरत का एक छोटा सा प्रतिशत (लगभग 15 %) पूरा करने की स्थिति में नहीं है ।

आज के बाजारगत परिदृश्य में जब तक कोई उद्योग व्यवहार्य उत्पादन क्षमता स्थापित नहीं कर लेता तब तक वह कम क्षमता की वजह से अधिक ऊपरी खर्च और वित्तीय लागतों के कारण अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा का मुकाबला नहीं कर सकता है । (हाइड्रोक्सील एमिन सल्फेट के स्थानीय विनिर्माता को इस सामग्री (एच ए एस) के आयात पर लगाए गए सीमा शुल्क के 38.5% का लाभ प्राप्त होता है ।

विदेशी उत्पादक उत्पादन लागत कम करने के लिए अपने उत्पादन में नवीनतम तकनीकों और अपनी निविष्टियों में विभिन्न तरीके ईजाद कर अनुसंधान एवं विकास में निरन्तर निवेश कर रहे हैं । इसका सबसे ज्वलंत उदाहरण विभिन्न एंटी बायोटिक और विभिन्न अन्य थोक दवाओं से देखा जा सकता है। उदाहरणार्थ सिप्रो की बिक्री 18,000/रु. प्रति किग्रा. की दर पर की गई थी जो कि अब लगभग 1300/ रु. से 1400/रु. प्रति किग्रा. की कम दर पर उपलब्ध है जबकि श्रम मजदूरी, बिजली, ईंधन की लागत में पिछले 7-8 वर्षों में कई गुना वृद्धि हुई है ।

इसकी वजह से अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय विनिर्माताओं ने अपना उत्पादन बन्द कर दिया है और वे अब भारत से ये औषधियां प्राप्त कर रहे हैं ।

(ड.) हाइड्रोक्सील एमिन सल्फेट की अंतर्राष्ट्रीय कीमतें एस एम एक्स की बिक्री कीमत द्वारा स्वतः ही शासित होती हैं जो जुलाई से दिसम्बर 1999 तक की जांच अवधि के दौरान लगभग 6 अमरीकी डालर/कि.ग्रा. के कम स्तर पर रही हैं।

(च) किसी उद्योग को यदि संरक्षण की जरूरत पड़ती है तो उसे संरक्षण तभी प्रदान किया जाय जबकि वह स्थानीय उद्योग की जरूरत पूरी करने में समर्थ हो और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रचलित अलाभकारी कीमतों की वजह से निर्यात करने की स्थिति में न हो।

(छ) जब सरकार पूर्ण उदारीकरण और वैश्वीकरण की बात कर रही है तब एस ए एस की खपत करने वाला स्थानीय उद्योग अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकता है जहां एस एम एक्स के विनिर्माताओं द्वारा विदेशी मुद्रा में अर्जित राजस्व एच ए एस के स्थानीय विनिर्माता द्वारा अर्जित राजस्व से कई गुना अधिक है।

(ज) सरकार मात्रा एवं गुणवत्ता के संबंध में स्थानीय मांग पूरी न करने की क्षमता रखने वाले अकेले उद्योग को प्रोत्साहित कर एकधिकारिक प्रवृत्ति का ही समर्थन करेगी जो सरकार द्वारा अब अनुमोदित वर्तमान शर्तों एवं मार्गदर्शी सिद्धांतों के विरुद्ध है।

जब अंतर्राष्ट्रीय कीमतों की आम प्रवृत्ति एक विशेष स्तर पर स्थिर रहने की हो रही है, तब पाटनरोधी शुल्क लगाकर कीमतों को बढ़ाना अनुचित है। अन्यथा इस मामले में पाटनरोधी शुल्क की मंजूरी प्रदान करना एस एम एक्स के स्थानीय विनिर्माताओं के लिए घातक होगा।

(ख) शासुन कैमिकल्स एंड ड्रग्स लि०

i) मौजूदा जर्मन/जापान के हाइड्रोक्सील एमिन सल्फेट के पहुंच मूल्य पर यदि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो इससे उत्पादन लागत में भारी वृद्धि होगी जिसका मार्जिन रानी टाइटाइडीन के अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में निश्चित रूप से उपलब्ध नहीं है जबकि रानी टाइटाइडीन की गिरती हुई अंतर्राष्ट्रीय कीमतों की प्रवृत्ति की तो बात करना व्यर्थ है। इसलिए आयातित हाइड्रोक्सील एमिन सल्फेट पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से प्रतिस्पर्धी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में रानी टाइटाइडीन के विनिर्माताओं को ऋणात्मक राजस्व की प्राप्ति होगी। यह कहना व्यर्थ है कि यदि पाटनरोधी शुल्क लगाया गया तो स्वदेशी कच्ची सामग्री का प्रयोग करते हुए निर्यात करना व्यावहारिक रूप से असंभव हो जाएगा भले ही स्वदेशी कच्ची सामग्री पर भुगतान किए गए उत्पाद शुल्क की वापसी की अनुमति दी गई हो

(ii) हमारा अनुरोध है कि इस प्रकार की लेवी का कोई औचित्य, चाहे कुछ भी हों, नहीं है। पाटन की मौजूदगी और पाटनरोधी शुल्क का मार्जिन प्रदर्शित करने का कोई साक्ष्य नहीं है जिनका परिकलन किया गया है। हाइड्रोक्सील एमिन सल्फेट के स्थानीय विनिर्माताओं के पास अपनी आपूर्तियों के लिए पर्याप्त मार्जिन है और इसके लिए पाटनरोधी शुल्क के जरिए अतिरिक्त शुल्क लगाने हेतु किसी मदद की जरूरत नहीं है।

(ग) विरचो लैबोरेटरीज लिमिटेड

- (i) याचिकाकर्ता द्वारा पूर्व में एच ए एस का आयात किया गया है और इसलिए वह घरेलू उद्योग का दर्जा पाने का पात्र नहीं है। इस प्रकार, यह याचिका मै0 दीपक नाईट्राइट लिमिटेड द्वारा दायर नहीं की जा सकती है।
- (ii) घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में कोई साक्ष्य नहीं है। एच ए एस के आयात में समग्र रूप से अथवा भारत में उसके अत्यधिक वृद्धि होने का कोई साक्ष्य नहीं है। वास्तव में, इसी अवधि में भारत में एच ए एस का कुल आयात या तो स्थिर रहा है या फिर घट गया है। इसी अवधि में याचिकाकर्ता के क्षमता उपयोग तथा उत्पादन में वृद्धि हुई है।
- (iii) याचिकाकर्ता द्वारा एच ए एस के विनिर्माण का तरीका (रेचिंग की प्रक्रिया के माध्यम से) विदेशी विनिर्माताओं द्वारा अपनाए गए तरीके से भिन्न है। घरेलू प्रक्रिया अत्यधिक अक्षम अधिक खर्चीली और अत्यधिक प्रदूषणकारी है। पाटनरोधी शुल्क के लगाए जाने से केवल एक अक्षम उत्पादक को बढ़ावा मिलेगा तथा इससे वह विनिर्माण के अपने तरीके को नहीं बदलेगा। इससे पर्यावरण प्रदूषित होगा एवं अत्यधिक सफाई लागत आएगी। अतः क्षति, यदि कोई हुई है तो, वह इस तथ्य की वजह से हुई है कि याचिकाकर्ता अक्षम प्रक्रिया का इस्तेमाल करता है और क्षति तथा भारत में एच ए एस के आयात के बीच कारणात्मक संबंध होने का साक्ष्य है।
- (iv) याचिकाकर्ता भारत में एस ए एस का एकमात्र उत्पादक हैं और इस प्रकार पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से याचिकाकर्ता को एकाधिकार की स्थिति प्राप्त हो जाएगी। उचित प्रतिस्पर्धा के अभाव में, याचिकाकर्ता प्रतिबंधात्मक व्यापार प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने की स्थिति में होगा जिससे एस एम एक्स (तथा अन्य बल्क औषधि) उद्योग पर नुकसानदायक प्रभाव पड़ेगा।
- (v) याचिकाकर्ता की क्षमता भारत में एच ए एस की कुल खपत के केवल एक छोटे से भाग को पूरा करने की है। किसी भी हालत में याचिकाकर्ता देश की समूची आवश्यकता को पूरा नहीं कर सकता।
- (vi) एच ए एस, एस एम एक्स की उत्पादन लागत में एक महत्वपूर्ण घटक है तथा एच ए एस की कीमतों में होने वाली किसी वृद्धि से एस एम एक्स की कीमतों में वृद्धि हो जाएगी जिससे आम आदमी प्रभावित होगा।
- (vii) भारत एस एम एक्स के अपने उत्पादन के 50% से अधिक भाग का निर्यात करता है तथा एस एम एक्स की कीमत में होने वाली किसी वृद्धि से एस एम एक्स का निर्यात प्रभावित होगा जिससे उपयोक्ता को उद्योग क्षति पहुँचेगी।

- (viii) यद्यपि यह सच है कि एच ए एस के उत्पादकों के बीच बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा के कारण एच ए एस की कीमतों में पिछले कुछ वर्षों में गिरावट आयी है, यह बात विश्व में प्रत्येक बाजार के लिए भी सच है। * इसके अतिरिक्त, एस एम एक्स की कीमतों में लगातार गिरावट आ रही है तथा कच्चे माल की कीमतों में अब वही प्रवृत्ति आ गयी है।
- (ix) भारतीय उपयोक्ता एच ए एस के बल्क उपभोक्ता हैं तथा भारतीय उपयोक्ताओं के लिए प्रस्तावित कीमतें इस तथ्य को प्रतिबिंबित करती हैं कि जिस मात्रा में एच ए एस की भारत में बिक्री की जाती है, वह मात्रा उक्त देशों में बिक्री की जाने वाली मात्रा से अधिक होती है। इस प्रकार इन कारकों के लिए सामान्य मूल्य का समायोजन किया जाना होता है।
- (x) मूल देश (ई यू के मामले में) में सामान्य मूल्य को इस तथ्य के कारण समायोजित करना होता है कि निर्यात के लिए निर्मित वस्तुओं के उत्पादन हेतु अदा किए गए सभी अप्रत्यक्ष करों को वापस लौटा दिया जाता है जबकि गृह उपभोग के लिए निर्मित वस्तुओं के उत्पादन हेतु अदा किए गए कर लौटाए नहीं जाते हैं। अतः, घरेलू कीमत निर्यात कीमत से अधिक हो सकती है।
- (xi) विरचों ने कभी भी याचिकाकर्ता के उत्पाद की गुणवत्ता के प्रति संतुष्टि प्रकट नहीं की है क्योंकि इससे तैयार उत्पाद की निकासी में कमी आयी है। यह इस तथ्य से स्पष्ट होता है कि विरचों ने जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता से एच ए एस की कमी भी खरीददारी नहीं की है यद्यपि याचिकाकर्ता ने कई बार यह संकेत दिया है कि वह आयातित दरों के समान दरें रखेगा। विरचों ने बाद में जिस भी मात्रा की खरीद की है वह परीक्षण आधार पर की थी। उक्त परीक्षण खरीददारियों के परिणामस्वरूप आय में कमी हुई और विरचों ने मै. दीपक नाइट्राइल लिमिटेड से कभी भी खरीददारी नहीं की।

(घ) सिरिस लिमिटेड

- (i) हम हाइड्रोक्सिल अमाईन सल्फेट के नियमित आयातक हैं और हम एस एम एक्स के अपने परिणामी उत्पाद के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक हैं। हमने उस समय घरेलू आपूर्तिकर्ता से छिटपुट मात्रा की खरीद करनी शुरू की है जब उन्होंने शुरूआत की थी और उत्पाद की गुणवत्ता आयातित सामग्री के समतुल्य नहीं थी।
- (ii) हमारी जानकारी के अनुसार भारतीय मांग 6000 मी.टन वर्ष की है। किन्तु घरेलू विनिर्माता की क्षमता भारतीय मांग के 10% की भी नहीं है।
- (iii) अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में कमी आयी है क्योंकि चीन से मिलने वाली भारी प्रतिस्पर्धा के कारण घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजार दोनों में अंतिम उत्पाद की कीमतें अच्छी नहीं चल रही हैं।

- (iv) यदि कच्ची सामग्री की लागत में वृद्धि होती है तो हम अंतिम उत्पाद के लिए घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति में नहीं होते हैं ।
- (v) कुल निर्यात कारोबार में से निर्यातों के बड़े हिस्से में केवल एस एम एक्स का निर्यात शामिल होता है । हमारे कारोबार का लगभग 42%-55% भाग और विदेशी मुद्रा में प्राप्त आय एस एम एक्स के निर्यात से होती है । यदि हम अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं तो हमें विदेशी मुद्रा का भारी घाटा होगा । एस एम एक्स के लिए औषध कीमत नियंत्रण आर्डर 419 रु० प्रति कि.ग्रा. है । किन्तु, हम बाजार में 350 रु० प्रति कि.ग्रा. की औसत दर पर बिक्री कर रहे हैं । अतः हमें 69 रु० प्रति कि.ग्रा. का पहले से ही घाटा हो रहा है ।

घ. उठाए गए मुद्दों की जांच

5. निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए पूर्वोक्त अनुरोधों की जिस सीमा तक ये नियमानुसार संगत हैं और जिस सीमा तक इनका मामले पर प्रभाव पड़ता है, जांच कर विचार किया गया है और इस अधिसूचना में उन पर समुचित स्थानों पर कार्रवाही की गयी है ।

ड. विचाराधीन उत्पाद और जांच का क्षेत्र-विस्तार

6. वर्तमान याचिका में विचारित उत्पाद यू एस ए, जापान तथा यूरोपीय संघ के मूल के या वहां से निर्यात हाइड्रोक्सिल अमाईन सल्फेट है । हाइड्रोक्सिल अमाईन सल्फेट को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमाशुल्क उप-शीर्ष 2825.1003 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है । तथापि यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और यह वर्तमान जांच के क्षेत्र-विस्तार पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है ।

च. समान वस्तु

7.(क) पाटनरोधी नियमों के नियम 2(घ) में विनिर्दिष्ट "समान वस्तु" का तात्पर्य किसी ऐसी वस्तु है जो हर प्रकार से विचाराधीन उत्पाद के समरूप अथवा समान हो अथवा ऐसी किसी वस्तु के भाव में इसका तात्पर्य ऐसी किसी अन्य वस्तु से है जिसकी विशेषताएं विचाराधीन वस्तु की विशेषताओं से अत्यधिक मिलती जुलती हों ।

(ख) याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि भारत द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से निर्यातित हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट में कोई खास अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और इन देशों से आयातित हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट भौतिक एवं रासायनिक गुणों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन और वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के रूप में तुलनीय हैं। ये दोनों तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ताओं ने इन दोनों का एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किया है। इसलिए, याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट को पाटनरोधी नियमों के अनुसार समान वस्तुओं के रूप में समझा जाना चाहिए।

याचिकाकर्ता ने यह भी दावा किया है कि हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट के उत्पादन के लिए दो विधियाँ उपलब्ध हैं। घरेलू उद्योग रैसिंग प्रक्रिया से हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट का उत्पादन कर रहा है और हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट के उत्पादन की अन्य विधि के तहत यह उत्पादन डाइल्यूट सल्फ्यूरिक एसिड की उपस्थिति में प्लैटिनम कैटालिस्ट पर निटिक ओक्साइड का हाइड्रोजिनेशन द्वारा किया जाता है। इसके बाद हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट के सल्युशन को क्रिस्टलीकरण और अभिकेन्द्रीकरण के द्वारा अलग किया जाता है। घरेलू उद्योग ने आगे बताया है कि उन्हें संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा अपनाई गई विधि के बारे में जानकारी नहीं है। तथापि, अनुरोध है कि अपनाई गई विधि में मौजूद उक्त अंतर से विपणन, कीमत निर्धारण, विनिर्देशन इत्यादि पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ता है।

(ग) उपरोक्त को देखते हुए, प्राधिकारी ने माना है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किए जा रहे हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट और संबद्ध देशों से आयात किए जा रहे हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट का एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किया जा सकता है और इस प्रकार ये वाणिज्यिक और तकनीकी रूप प्रतिस्थापनीय हैं और इसीलिए नियमों के अर्थ के भीतर ये समान वस्तुएं हैं।

(क) घरेलू उद्योग

8. यह याचिका मैसर्स दीपक नाइट्राइट लि० द्वारा दायर की गई है जिसका पंजीकृत कार्यालय अलकापुरी, बड़ौदा-390007 में है। याचिकाकर्ता भारत में संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र उत्पादक है इसलिए, याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने के लिए अपेक्षित मानदण्ड को पूरा करता है, जैसाकि नियमों के तहत अपेक्षित है।

(ज) पाटन

सामान्य मूल्य

9. प्राधिकारी ने धारा 9क(i)(ग) में दिए गए नियमों के संबंध में सामान्य मूल्य की जांच की है।

10. प्राधिकारी ने उपरोक्त धारा के अनुसार संबद्ध देशों के निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी है। सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बारे में निर्यातकों द्वारा किए गए दावे निम्नानुसार हैं:-

झ. यू एस ए, जापान और ई यू के निर्यातक

11. मैसर्स बी ए एस एफ एकटंजेलशाफ्ट, जर्मनी, मैसर्स यू बी ई इंडस्ट्रीज लि०, जापान से जबाब प्राप्त हुआ था जिन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यातों और घरेलू बिक्रियों के ब्यौरे प्रस्तुत किए थे। मैसर्स ताओगोसी कंपनी लि०, जापान और मैसर्स डी एस एम नीदरलैंड ने अनुरोध किया है कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान संबद्ध सामग्री का निर्यात नहीं किया है। मैसर्स डी एस एम ने आगे यह बताया है कि जनवरी, 1998 से वे न तो हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट का कोई उत्पादन अथवा निर्यात नहीं कर रहे हैं इसलिए जांच में शामिल होने की कोई आवश्यकता नहीं है। सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के संबंध में निर्यातकों द्वारा किए गए दावों पर निम्नानुसार चर्चा की गई है:-

बी ए एस एफ, जर्मनी

12. सामान्य मूल्य

निर्यातकों ने घरेलू बाजार में हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट की बिक्रियों के माह-वार ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं। मैसर्स बी ए एस एफ ने घरेलू बाजार में **** अमरीकी डालर के बिन्नी मूल्य पर **** किग्रा. हाइड्रोक्सिल एमीन एल्फेट की बिक्री की। इस प्रकार घरेलू बाजार में औसत बिक्री प्राप्ति **** अमरीकी डालर प्रति किग्रा. की हुई थी। मैसर्स बी ए एस एफ ने हाइड्रोक्सिल एमीन एल्फेट की अपनी उत्पादन लागत भी प्रस्तुत की है। घरेलू बिक्रियों की कारखाना द्वारा कीमत निकालने के लिए कमीशन, पैकिंग स्वदेशी भाड़े के संबंध में खर्चों का दावा किया गया है। तदनुसार, **** अमरीकी डालर प्रति किग्रा. की कारखाना द्वार पर घरेलू कीमत का दावा किया गया था।

तथापि, प्राधिकारी ने आगे जांच पूरी होने तक प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ *** कमीशन, *** पैकिंग, *** स्वदेशी भाड़े की स्वीकृति दी है। सामान्य मूल्य **** अमरीकी डालर प्रति किग्रा. बैठता है।

13. निर्यात कीमत

निर्यातक ने **** भारत को अमरीकी डालर के कुल मूल्य के **** किग्रा. हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट का निर्यात किया है। तदनुसार, जांच अवधि के दौरान हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट की औसत निर्यात कीमत **** अमरीकी डालर/किग्रा. बनती है। निर्यातक ने कमीशन (**) स्वदेशी भाड़े (**) विदेशी भाड़े (**) और पैकिंग (**) के संबंध में समूहों का दावा किया है।

इस प्रकार भारत को हुई निर्यात बिक्रियों के लिए **** प्रति कि.ग्रा. कारखाना द्वार कीमत का दावा किया है। प्राधिकारी ने आगे जांच पूरी होने तक प्रारंभिक निष्कर्षों के प्रयोजनार्थ उपरोक्त समायोजनों की स्वीकृति दी है।

इस प्रकार, प्राधिकारी द्वारा ई यू के बी ए एस एफ, जर्मनी के मामले में **** अमरीकी डालर प्रति किग्रा. या 60.09% के पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है।

14. ई यू के अन्य निर्यातक

प्राधिकारी ने ई यू के निर्यातकों को जांच से संगत सूचना प्रस्तुत करने और उपरोक्त धारा के अनुसार टिप्पणियां, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। प्राधिकारी ने भारत में ई यू के प्रतिनिधिमंडल को भी लिखा है। तथापि, ई यू के किसी अन्य निर्यातक ने सूचना हेतु प्राधिकारी द्वारा किए गए अनुरोध का जबाब नहीं दिया है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावों पर अन्य हितबद्ध पार्टी (पार्टियों) द्वारा विवाद भी नहीं किया गया है। इसलिए, प्राधिकारी ने नियम 6(8) अर्थात् सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर, कार्रवाई की है।

प्राधिकारी ने अन्य निर्यातकों के सामान्य मूल्य का निर्धारण सहयोगी निर्यातक के सामान्य मूल्य के आधार पर ही किया है। अन्य निर्यातकों के मामले में, ई यू के सहयोगी निर्यातक की न्यूनतम निर्यात कीमत के आधार पर निर्यात कीमत पर विचार किया गया है।

इस प्रकार प्राधिकारी द्वारा ई. यू. के हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट के असहयोगी/अन्य निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण **** अमरीकी डालर/कि.ग्रा. का किया गया है।

मै. यू बी ई इंडस्ट्रीज लि०, जापान

सामान्य मूल्य

15. मै. यू बी ई ने बताया है कि उनके द्वारा उपयोग किए गए विचाराधीन सामान जापानी बाजार में वितरकों द्वारा बेचा गया है।

16. मै. यू बी ई ने बताया है कि जापानी बाजार में संबंधित सामानों के वितरक नहीं हैं, "मार्जिन (क्रय कीमत का सन्तुलन और वितरक का पुनर्विक्रय कीमत जो क्रय कीमत का सामान्यतया 3-5% बनता है)" जैसे आकड़ों को मुहैया नहीं कराया गया है।

17. निर्यातकों ने घरेलू बाजार में हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट की बिक्रियों के माहवार ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं। मै. यू बी ई ने घरेलू बाजार में **** अमरीकी डालर के बिक्री मूल्य पर **** किग्रा. हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट की बिक्री की है। इस प्रकार, घरेलू बाजार में औसत बिक्री प्राप्ति **** अमरीकी डालर प्रति किग्रा. की थी। मै. यू बी ई ने हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट की अपनी उत्पादन लागत को भी प्रस्तुत किया है। पैकिंग, स्वदेशी भाड़ा, बीमा और हैंडलिंग के खर्चों

का दावा घरेलू बिक्री के कारखाना द्वारा कीमत को निकालने के लिए किया गया है। तदनुसार, **** अमरीकी डालर की कारखानागत द्वार कीमत का दावा किया गया था। प्राधिकारी ने आगे जांच पूरी होने तक प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ *** पैकिंग प्रभारों *** स्वदेशी भाड़े *** बीमा और *** हैंडलिंग प्रभारों की अनुमति दी है। सामान्य मूल्य **** अमरीकी डालर प्रति किग्रा. बैठता है।

निर्यात कीमत

निर्यातक ने उल्लेख किया है कि उनके द्वारा उत्पादित विचाराधीन संबद्ध सामग्री की बिक्री वितरकों/व्यापारिक घरानों को की गई है और उन्होंने इसका निर्यात भारत को किया है। मै. यू बी ई द्वारा उत्पादित संबद्ध सामग्री मै. निशों इवाई कं., मै. भितुई एंड कं.लि. और मै. मितसुया बोइकी लि., जापान द्वारा भारत को निर्यात किया गया था।

मै. यू बी ई ने बताया है कि यद्यपि उन्होंने संबद्ध सामग्री का निर्यात नहीं किया है तथापि, निर्यातों से संबंधित आंकड़े जैसे कि निर्यात बिक्री कीमत (सी आइ एफ पर आधारित) और एफ ओ बी के बाद के प्रभारों को निर्यातकों अर्थात् वितरकों/व्यापारिक घरानों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर मुहैया कराए गए हैं।

निर्यातक मै. यू बी ई इंडस्ट्रीज लि. ने भारत को **** अमरीकी डालर के कुल मूल्य के **** किग्रा. हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट का निर्यात किया है। तदनुसार, जांच अवधि के दौरान हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट की औसत निर्यात कीमत **** अमरीकी डालर प्रति किग्रा. निकाली गई है। निर्यातक ने कमीशन(***), स्वदेशी भाड़े (***), विदेशी भाड़े (***), बीमा (***), विदेशी बीमा (***) पैकिंग (***), हैंडलिंग(***) अग्रेषण (***) और ब्याज (***) के कारण समायोजनों का दावा किया है। इस प्रकार भारत को हुई निर्यात बिक्रियों के लिए **** प्र.किग्रा. की कारखानागत कीमत का दावा किया गया है। प्राधिकारी ने अगली जांच पूरी होने तक, प्रारंभिक निर्धारण के उद्देश्य से उपरोक्त समायोजनों की अनुमति दी है।

इस प्रकार, मै. यू बी ई, जापान द्वारा किए गए निर्यातों के मामले में प्राधिकारी द्वारा पाटन मार्जिन का आकलन *** अमरीकी डालर प्रति किग्रा. या 79.16% किया गया है।

प्राधिकारी ने मै. यू बी ई से उनके इस वक्तव्य के बारे में स्पष्टीकरण मांगा है कि उन्होंने उपरोक्त तीन वितरकों के जरिए भारत में संबद्ध सामग्री का निर्यात किया है। क्या इन वितरकों/व्यापारिक घरानों ने जांच अवधि के दौरान भारत में केवल यू बी ई द्वारा उत्पादित संबद्ध सामग्री का ही निर्यात किया है।

मै. यू बी ई ने स्पष्ट किया है कि तीनों वितरकों/व्यापारिक घरानों ने जांच अवधि के दौरान **उनके** अलावा किसी अन्य कंपनी द्वारा उत्पादित हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट का भारत को निर्यात नहीं किया था।

तदनुसार, मै. यू बी ई इंडस्ट्रीज लि. के लिए यथा आंकलित पाटन मार्जिन मै. निशो इवाई कं., मै. मुतुई एंड कं. लि. और मै. मितसुया बोइकी लि., जापान के लिए 79.16% है।

जापान के अन्य निर्यातक

- (i) प्राधिकारी ने उपरोक्त धारा के अनुसार जापान के निर्यातकों को जांच से संबंधित सूचना प्रस्तुत करने और अपनी टिप्पणियां, यदि कोई हों, देने का अवसर प्रदान किया। प्राधिकारी ने भारत स्थित जापान के दूतावास को भी लिखा। तथापि, जापान के किसी अन्य निर्यातक ने सूचना प्रदान करने के लिए प्राधिकारी द्वारा किए गए अनुरोध का उत्तर नहीं दिया है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे पर भी किसी अन्य हितबद्ध पक्ष (पक्षों) ने भी विवाद नहीं किया है। इसलिए प्राधिकारी ने नियम 6(8), अर्थात् सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कार्यवाही की है।
- (ii) प्राधिकारी ने अन्य निर्यातकों के सामान्य मूल्य का निर्धारण सहयोगी निर्यातक के समान आधार पर ही किया है। अन्य निर्यातकों के मामले में निर्यात कीमत पर ई यू के सहयोगी निर्यातक के न्यूनतम निर्यात कीमत के आधार पर विचार किया गया है।
- (iii) इस प्रकार जापान के हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट के असहयोगी निर्यातकों के मामले में प्राधिकारी द्वारा पाटन मार्जिन का आकलन **** अमरीकी डालर प्रति कि.ग्रा. या 85.38% किया गया है।

18. यू एस ए के निर्यातक

- (क) प्राधिकारी ने उपरोक्त धारा के अनुसार यू एस ए के निर्यातकों को जांच से संबंधित सूचना प्रस्तुत करने, और अपनी टिप्पणियां, यदि कोई हों, देने का अवसर प्रदान किया। प्राधिकारी ने भारत स्थित यू एस ए के दूतावास को भी लिखा। तथापि, यू एस के किसी भी निर्यातक ने सूचना देने के लिए प्राधिकारी द्वारा किए गए अनुरोध का उत्तर नहीं दिया है।
- (ख) सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे पर भी किसी हितबद्ध पक्ष (पक्षों) ने विवाद भी नहीं किया है। अतः प्राधिकारी ने नियम 6(8) अर्थात् सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कार्यवाही की है।
- (ग) सामान्य मूल्य का निर्धारण यू एस ए में हाइड्रोक्सिल एमीन सल्फेट की प्रचलित कीमत के आधार पर जांच की शुरुआत के समय किया गया था, जैसी कि याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई थी। प्राधिकारी ने उचित समायोजन के बाद सामान्य मूल्य के निर्धारण के आधार के रूप में उस पर विचार किया है।
- (घ) निर्यात कीमत का निर्धारण डी जी सी आइ एंड एस द्वारा संकलित सूचना के आधार पर किया गया है। औसत निर्यात कीमत का समायोजन कमीशन, बीमा, स्वदेशी भाड़े, विदेशी भाड़े, पत्तन खर्चों के लिए किया गया है, जैसा कि घरेलू उद्योग द्वारा दावा किया गया है

19. तुलना से संबंधित नियमों में निम्नानुसार प्रावधान है:

"पाटन का मार्जिन निकालते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच एक उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के एक समान स्तर पर, सामान्यतया कारखाना द्वारा स्तर पर की जाएगी और यथासंभव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी। जो अंतर कीमत तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर उचित छूट दी जाएगी। उक्त अंतर में बिक्री की शर्तें, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं, भौतिक विशेषताएं तथा अन्य ऐसे अन्तर शामिल हैं जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।"

20. ऊपर किए गए ⁹उल्लेख के अनुसार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर अलग-अलग निर्यातकों और विशिष्ट देशों के संदर्भ में पाटन मार्जिन निम्नानुसार है:-

क्र०स०	देश/निर्यातक	पाटन मार्जिन %
1.	यूरोपीय संघ 1. मै० बीएएसएफ 2. अन्य निर्यातक	60.09 89.84
2.	जापान 1. मै० यूबीई इंडस्ट्रीज लिमि० 2. मै० निशो इवाई कं० 3. मै० मितुई एंड कं० लिमि० 4. मै० मित्सुया बोइकी लिमि० 5. अन्य निर्यातक	79.16 79.16 79.16 79.16 85.38
3.	यूएसए सभी निर्यातक	67.51

ज. क्षति और कारणात्मक संबंध

21. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि क्या पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कीमत में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा क्या इस प्रकार के आयातों से कीमतों में अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आई है या कीमत वृद्धि में अन्यथा रुकावट आई है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती।

22. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच के लिए उपर्युक्त नियमों के अनुलग्नक II (iv) के अनुसार प्राधिकारी ने उन विषयों पर विचार किया जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री आय, डम्पिंग की मात्रा मार्जिन इत्यादि।

23. घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दर्शानेवाले विभिन्न मापदण्ड निम्नानुसार हैं :-

(क) उत्पादन और क्षमता उपयोग

याचिकाकर्ता कंपनी का उत्पादन वर्ष 1997-98 में 750 मी. टन प्रति वर्ष क्षमता की तुलना में 643 मी. टन था जो जांच अवधि के दौरान 487.5 मी. टन क्षमता की तुलना में 376 मी. टन रह गया। प्रतिशत के रूप में क्षमता उपयोग जो वर्ष 1997-98 के दौरान 85.73% था, वह जांच अवधि के दौरान घट कर 77.12% रह गया।

(ख) बिक्री की मात्रा

याचिकाकर्ता कंपनी ने वित्तीय वर्ष 1998-99 में 672 मी० टन की बिक्री की तुलना में जांच अवधि के दौरान 258 मी० टन हाइड्रोक्सिल अमीन सल्फेट (वार्षिक रूप से 516 मी० टन) की बिक्री की।

(ग) बिक्री वसूली

याचिकाकर्ता कंपनी की औसत बिक्री वसूली वर्ष 1997-98 के दौरान *** ₹०/कि०ग्रा० थी जो वर्ष 1998-99 में और घटकर *** ₹०/कि०ग्रा० रह गई। जांच अवधि के दौरान बिक्री वसूली में गिरावट रही और यह *** ₹०/कि०ग्रा० थी। इस अवधि के दौरान याचिकाकर्ता कंपनी की बिक्री वसूली उसकी उत्पादन-लागत से भी कम थी।

(घ) लाभप्रदता

वित्तीय वर्ष 1997-98 के दौरान हाइड्रोक्सिल अमीन सल्फेट के कारोबार में कंपनी का घाटा *** लाख ₹० का था जो बढ़कर वर्ष 1998-99 के दौरान *** लाख ₹० हो गयी। जांच अवधि के दौरान घाटा और बढ़कर *** लाख ₹० हो गया।

(ड.) गंवाए गए ठेके:

घरेलू उद्योग के या तो उपभोक्ताओं में अथवा उसकी कुल खरीद में कमी आई है क्योंकि संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों की उपलब्धता के कारण कुछ उपभोक्ता कम हो गए हैं।

(च) निर्यात कीमत में गिरावट

संबद्ध देशों से निर्यात की कीमत में महत्वपूर्ण गिरावट आई है। जुलाई, 1999 के बाद निर्यात कीमत में गिरावट अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि शुल्क प्रदत्त आयात कीमत जो वर्ष 1996-97 में 101504 रु0/मी0 टन थी, वर्ष 1997-98 के दौरान 96672 रु0/मी0 टन थी, उसकी तुलना में गिरकर 56000 रु0 प्रति मी0 टन रह गई है।

(छ) संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि

वर्ष 1997-98 के दौरान संबद्ध देशों से हुए आयात 3061.46 मी0 टन थे जो 1998-99 के दौरान घटकर 2883.72 मी0 टन के हो गए और जुलाई एवं अक्टूबर 1999 (चार माह) के दौरान घटकर 1482.78 मी0 टन हो गए, जो संबद्ध देशों से हुए आयातों में वृद्धि को दर्शाते हैं।

(ज) घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा

वर्ष 1998 में 3629.25 मी0 टन की कुल मांग की तुलना में याचिकाकर्ता कंपनी की कुल बिक्री 745.25 मी0 टन थी। वर्ष 1999 की प्रथम छमाही के दौरान 1189.63 मी0 टन की कुल मांग की तुलना में कुल बिक्री 413.63 मी0 टन थी जो और घटकर जांच अवधि के दौरान लगभग 2000 मी0 टन कुल मांग की तुलना में 254.33 मी0 टन रह गई।

24. इसलिए, प्राधिकारी उपरोक्त के आधार पर नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से आयात घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम कीमत पर किया गया है। इसके अलावा, भारत में आयात घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत से कम कीमत पर किए गए हैं। जिसके फलस्वरूप याचिकाकर्ता को अपने उत्पाद की बिक्री अपनी क्षतिरहित कीमत से बहुत कम कीमत पर करनी पड़ी, जिसके परिणामस्वरूप याचिकाकर्ता को वित्तीय हानि हुई है। याचिकाकर्ता को अपने क्षमता-उपयोग का स्तर बढ़ाने से भी रोका गया। ये मापदंड सामूहिक और संचयी रूप से दर्शाते हैं कि याचिकाकर्ता को पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

ट. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

25. सामान्यतः पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य उस पाटन को समाप्त करना है जो याचिकाकर्ता कम्पनियों को क्षति पहुंचा रहा है और भारत में खुली एवं निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के एक ऐसे माहौल को पुनः स्थापित करना है जो देश के सामान्य हित में हो ।
26. इस बात को स्वीकार किया गया है कि पाटनरोधी शुल्कों के लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं का प्रयोग करते हुए विनिर्मित उत्पादों का कीमत-स्तर प्रभावित हो सकता है और फलस्वरूप इन उत्पादों की सापेक्षिक प्रतिस्पर्धा पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है ।
तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार की निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेष रूप से तब जब पाटनरोधी शुल्क याचिकाकर्ता कंपनियों को हो रही क्षति की भरपाई करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित हो । इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय किए जाने से यह पाटन की प्रक्रिया द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ को समाप्त किया जा सकेगा, याचिकाकर्ता कंपनियों की स्थिति में हो रही गिरावट को रोका जा सकेगा और हाइड्रॉक्सिल अमीन सल्फेट के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प की उपलब्धता को बनाए रखने में मदद मिलेगी । पाटनरोधी उपायों को लागू करने से किसी भी रूप में संबद्ध देशों से हो रहे आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए इससे उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।
27. याचिकाकर्ता कंपनियों को हो रही क्षति को दूर करने हेतु आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की सीमा का पता लगाने के लिए प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता कम्पनियों के लिए क्षमता उपयोग के इष्टतम स्तर पर उत्पादन की इष्टतम लागत पर विचार करके याचिकाकर्ता कम्पनियों के लिए भारत में हाइड्रॉक्सिल अमीन सल्फेट की क्षति रहित बिक्री कीमत पर विचार किया है ।
28. घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण हो रही क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करते समय घरेलू उद्योग को पाटन के अलावा अन्य कारणों से हो रही क्षति, यदि कोई हो, पर विचार नहीं किया गया है ।
29. प्राधिकारी किसी भी विशेष स्रोत से होने वाले आयात अथवा आपूर्ति पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश नहीं करते हैं और इसलिए पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की स्थिति में उपभोक्ताओं के लिए हाइड्रॉक्सिल अमीन सल्फेट की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी । चूंकि मै. टोएगोसेई कं. लि., जापान ने जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यात नहीं किया है, इसलिए इस पर नियम 22 लागू होता है जिसमें यह कहा गया है कि प्राधिकारी किसी भी ऐसे निर्यातक (कों) अथवा उत्पादक (कों) के लिए पृथक पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के उद्देश्य से समीक्षा कर सकता है जिसने जांच अवधि के दौरान उक्त उत्पाद का निर्यात नहीं किया है ।

ठ. निष्कर्ष

30. पूर्वोक्त बातों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :-

(क) यूएसए, जापान तथा यूरोपीय संघ (ईयू) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हाइड्रॉक्सिल अमीन सल्फेट का भारत को निर्यात सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है।

(ख) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

(ग) संबद्ध देशों से होने वाले आयातों के कारण संचयी रूप से क्षति हुई है।

31. यह आवश्यक समझा गया है कि यूएसए, जापान तथा ईयू के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हाइड्रॉक्सिल अमीन सल्फेट के सभी आयातों पर अंतिम निर्धारण होने तक अनन्तिम रूप से पाटन रोधी शुल्क लगाया जाए।

32. प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम के पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने का विचार किया है जिसे यदि लगाया जाए तो इससे घरेलू उद्योग को हो रही क्षति दूर होगी। इस उद्देश्य से आयातों की औसत पहुंच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित याचिकाकर्ता कंपनी की क्षतिरहित बिक्री कीमत के साथ की गई थी। जहां कहीं यह अंतर पाटन मार्जिन से कम था, वहां पाटन मार्जिन से कम शुल्क की सिफारिश की गई है। यह आवश्यक समझा गया है कि यूएसए, जापान तथा ईयू के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हाइड्रॉक्सिल अमीन सल्फेट के सभी आयातों पर आगे की जांच तथा अंतिम निर्धारण होने तक अनन्तिम रूप से पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।

33. तदनुसार, प्राधिकारी यह सिफारिश करते हैं कि यूएसए, जापान तथा ईयू के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हाइड्रॉक्सिल अमीन सल्फेट के सभी आयातों पर अनन्तिम शुल्क लगाए जाएं। पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित सारणी के कालम तीन में उल्लिखित राशि तथा आयातों के प्रति मी० टन पहुंच मूल्य के बीच का अंतर होगा, जो नीचे उल्लिखित देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हाइड्रॉक्सिल अमीन सल्फेट, जो सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 28 के अंतर्गत आता है, के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से लागू होगा:-

क्र. सं. निर्यातक/देश	राशि (अमरीकी डालर/मी. टन)
1. यूएसए-सभी निर्यातक	1,751.34/मी.टन
2. मै. बीएसएफ, जर्मनी	1,709.34/मी.टन
ईयू-अन्य निर्यातक	1,751.34/मी. टन
3. जापान :	
(1) मै. यूबीई इंडस्ट्रीज लि.	1,751.34/मी.टन
(2) मै. निस्सो इवाई कं.	1,751.34/मी.टन
(3) मै. मितुई एंड कं. लि.	1,751.34/मी. टन
(4) मै. मितसुया बोएकी लि.	1,751.34/मी. टन
(5) अन्य निर्यातक	1,751.34/मी. टन

34. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पंधुच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के तहत सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथा निर्धारित निर्धारणीय मूल्य होगा जिसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9, 9क के तहत आने वाले शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क के अन्य सभी शुल्क शामिल होंगे ।

ड. अगली क्रियाविधि

35. प्रारम्भिक निष्कर्षों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित क्रियाविधि का पालन किया जाएगा:-

(क) प्राधिकारी द्वारा सभी हितबद्ध पार्टियों से इन निष्कर्षों के संबंध में टिप्पणियां आमंत्रित की जाएंगी और उन पर अंतिम निष्कर्षों में विचार किया जाएगा ;

(ख) प्राधिकारी द्वारा हितबद्ध ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षों को अलग-अलग लिखा जा रहा है, जो इस पत्र के प्रेषण की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार भेज सकते हैं। अन्य कोई भी हितबद्ध पक्ष अपने विचारों को इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिन के भीतर भेज सकता है।

(ग) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों को मौखिक निवेदन के लिए अवसर प्रदान करेगा, जो बाद में लिखित में प्रस्तुत करने होंगे ।

(घ) प्राधिकारी द्वारा आवश्यकतानुसार आगे सत्यापन किया जाएगा ।

(ड.) अंतिम निष्कर्षों को घोषित करने से पहले प्राधिकारी द्वारा आवश्यक तथ्य उद्घाटित किए जाएंगे ।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 4th August, 2000

Preliminary Findings

Subject: - Anti-Dumping investigation concerning imports of Hydroxyl Amine Sulphate (HAS) from USA, JAPAN and European Union (EU).

No.53/1/99-DGAD - Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed with regard to the investigations:
 - i. The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the Rules, received written application from M/s. Deepak Nitrite Limited, Baroda alleging dumping of Hydroxyl Amine Sulphate, originating in or exported from the USA, Japan and European Union(EU) (hereinafter referred to as subject countries)/territory;
 - ii. The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner, decided to initiate investigations against imports of Hydroxyl Amine Sulphate from the subject countries/territory. The Authority notified the Embassies/Delegation of the subject countries about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules;
 - iii. The Authority issued a public notice dated 3rd March, 2000 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of Hydroxyl Amine Sulphate classified under custom sub-headings 2825-1003 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975, originating in or exported from the subject countries;
 - iv. The Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporters (whose details were made available by the petitioner) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with rule 6(2);

- v. The Authority forwarded a copy of the public notice to the known importers of Hydroxyl Amine Sulphate in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter;
- vi. Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of Hydroxyl Amine Sulphate for the past three years, including the period of investigations.
- vii. The Authority provided a copy of the non-confidential petition to the known exporters and the Embassies/Delegation of the subject countries in accordance with rules 6(3) supra;
- viii. The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information, to the known exporters from USA, Japan and European Union(EU) as indicated by the petitioner, as mentioned below in accordance with the Rule 6(4):-

USA

- M/s Allied Signal Inc

JAPAN

- ◆ M/s UBE Industries. Ltd, Shigawa, Japan
- ◆ M/s Toagosei Company Ltd., Japan

EUROPEAN UNION

- ◆ M/s BASF, Germany
- ◆ M/s DSM, Netherlands

- ix. The response to the questionnaire was received from BASF Aktiengesellschaft, Germany, M/s UBE Industries Limited, Japan, M/s Toagosei Company Ltd., Japan and M/s DSM, Netherlands. None of the other exporters responded to the questionnaire.
- x. The Embassies/Delegation of the subject countries in New Delhi were informed about the initiation of the investigations in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporter was also sent to the Embassies/Delegation, along with a list of known exporters/producers;
- xi. A questionnaire was sent to the following known importers/ wholesale dealers of Hydroxyl Amine Sulphate in India calling for necessary information in accordance with rule 6(4):
 - ◆ M/s Glaxo India Ltd, Mumbai
 - ◆ M/s Siris Limited, Hyderabad

- ♦ M/s Shasun Chemicals & Drugs Ltd, Chennai
- ♦ M/s Aurobindo Pharma Ltd, Hyderabad
- ♦ M/s Cheminor Drugs Ltd, Hyderabad
- ♦ M/s Chemox Laboratories Ltd, Mumbai
- ♦ M/s Godavari Drugs Ltd, Secunderabad
- ♦ M/s Virchow Laboratories Ltd, Hyderabad
- ♦ M/s SOL Pharmaceuticals Ltd, Hyderabad
- ♦ M/s Herren Drugs & Pharmaceuticals, Hyderabad
- ♦ M/s Hasmukh Ray & Co., Mumbai
- ♦ M/s Arihant Impex, Mumbai
- ♦ M/s BASF India Ltd, Mumbai
- ♦ M/s Allied Signal India Pvt Ltd, New Delhi
- ♦ M/s Priya International, Mumbai
- ♦ M/s Urmi Chemicals, Mumbai
- ♦ M/s Manali Chemicals, Mumbai
- ♦ Indian Chemical Manufacturers Association, New Delhi
- ♦ Organisation of Pharmaceuticals Producers of India, Mumbai
- ♦ Indian Drugs Manufacturers Association, Mumbai
- ♦ Bulk Drugs Manufacturers Association, Hyderabad
- ♦ Pesticides Association of India, New Delhi
- ♦ Fragrance and Flavours Association of India, Mumbai
- ♦ Rubber Board of India, Kerala
- ♦ Indian Medical Association, Mumbai Branch, Mumbai
- ♦ Indian Pharmaceutical Association, Mumbai

The response was, however, filed by the following importers of Hydroxyl Amine Sulphate: -

- ♦ M/s Siris Limited, Hyderabad
- ♦ M/s Shasun Chemicals & Drugs Ltd, Chennai
- ♦ M/s Virchow Laboratories Ltd, Hyderabad
- ♦ M/s Godavari Drugs Ltd.

- xii. Additional information regarding injury was sought from the petitioner, which was also furnished;
- xiii. The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties;
- xiv. The Authority conducted spot verification of the domestic industry to the extent considered necessary.
- x.v. The cost of production of the domestic industry was also analysed to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) based on the information furnished by petitioner so as to

ascertain if anti-dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to domestic industry.

- xvi **** in this notification represents information furnished by the petitioner/other interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xvii Investigation was carried out for the period starting from 1st July, 1999 to 31st December, 1999.

B. PETITIONER'S VIEWS

2. The petitioner has expressed the following views with regard to dumping of Hydroxyl Amine Sulphate and the injury to domestic industry as a consequence thereof:

i) DUMPING:

- (a) There is a significant drop in the import price of Hydroxyl Amine Sulphate from USA, Japan and European Union. Exporters of these countries have in the past six months dropped the price by over 50%, and the landed price of imports has been continuously declining in the last 4 years. The price trends from the subject countries during period of investigation and past years is as under:-

		EXPORT PRICE (US\$/ PMT)		
SI.No.	Name of the country	1997-98	1998-99	Second half of 1999 (period of investigation)
1.	JAPAN	1532.14	1504.65	1190.36
2.	USA	No imports	1421.69	903.51

EU

		EXPORT PRICE (US\$/ PMT)		
SI.No	Name of the country	1997-98	1998-99 (second half of 1999)	Second half of 1999 (period of investigation)
1.	GERMANY	1447.52	1543.94	996.89
2.	UK	1444.92	1494.2	1002.31
3.	NETHERLANDS	1430.19	1457.28	960.21

- (b) The normal value claimed by the petitioner in case of USA is based upon the prevailing domestic price in USA. In case of other countries, the normal value claimed by the domestic industry is on constructed normal value. The dumping margin calculated show a very significant dumping margin in case of all the countries.

ii) **ON INJURY:**

The petitioner has suffered injury as would be seen from the following:

- (a) The export price of Hydroxyl Amine Sulphate from subject countries has declined significantly as shown above. The decline in the export price after July, 1999 is more significant which is evident from the data provided to the Designated Authority. This decline has directly resulted in significant decline in the landed price of the imported material forcing the domestic industry to reduce their selling price. The present imports are so low priced which is significantly below the cost of production and in fact, is below the variable cost of the domestic industry. This sudden and steep reduction in the export price is causing severe price undercutting in the Indian market.
- (b) The average sales realisation of the domestic industry has come down from *** PMT during 1997-98 to *** PMT during second half of the year 1999. This shows a decline of about 20% of selling price.
- (c) The closing stock of the domestic industry has increased from **** MT in July 1999 to **** MT during December, 1999.
- (d) The sales volume of the company has declined even after reducing the selling price. Had the domestic industry not reduced the selling price, the sales would have declined further and more drastically.
- (e) The production of the petitioner was 643 MT during 1997-98 as against their capacity of 750 MT per annum. The production has increased to 682 MT during 1998-99 as against the enhanced capacity of 975 MT per annum. The production during period of investigation was 376 MT against capacity of 487.5 MT for six months. The production of the company has increased marginally. Domestic industry has submitted that the increase in the production of domestic industry has to be seen in the context of increase in the capacity and decline in sales realisation of the domestic industry.
- (f) The imports from subject countries was 3061.46 MT during 1997-98 has come down to 2883.72 MT during 1998-99 to 647 MT during July & August 1999(two months). The share of total imports from subject countries was 84.02% during 1998-99 has increased to 100% during period of investigation.
- (g) The domestic industry is either losing its customers or its off-take on account of dumped imports from subject countries.

- (h) Deepak Nitrite Limited is a multi-product, multi-division company involved in the production of various chemicals. The company does not maintain its accounts separately. However, as per internal records of the company, the company is making huge losses on sales of Hydroxyl Amine Sulphate in the Indian market, as is evident from the information on unit cost of production, selling prices and profit/loss given in the petition. Further, substantial capacities have been added by the company considering the large size of the domestic market and fairly decent prices in the past. However, the exporters from the subject countries seem to have suddenly reduced their prices significantly.
- (i) The total sales of the petitioner company was 745.25 MT as against the total demand of 3629.25 MT in 1998. During the first half of 1999 total sales was 413.63 MT as against the total demand of 1189.63 MT which further declined to 254.33 MT against the total demand of about 2000 MT during the period of investigation.

C. **VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES**

3. **VIEWS OF EXPORTERS:**

- (a) The exporter M/s DSM, Netherlands and M/s Toagosei Company Ltd., Japan have informed that they have not exported the subject material to India during the period of investigation.
- (b) BASF Aktiengesellschaft, Germany and M/s UBE Industries Limited, Japan have furnished the information solicited by the Designated Authority. The general remarks of M/s BASF are as under:-
- (i) India is by far the largest market for HAS in the world. The main application for HAS is Sulphamethaxazole (SMX) which is an antibiotic.
- (ii) Our major Indian customers are informing us on a regular base about the world market prices for SMX. Our major accounts claimed that from April, 1998 to December, 1999 SMX prices declined from US\$9.85 to US\$6.10 (approx. minus 40%) due to competition from China. To enable the Indian SMX manufacturers to remain in the SMX business as exporter and domestic supplier and to enable BASF to remain in the Indian Hydroxyl Amine Sulphate market, we agreed to reduce our price equivalent.
- (iii) In comparison to other countries where we have long term contracts, India is a spot market.
- (iv) Because spot markets are reacting much faster on price influences than contract business, the prices to India are moving faster in both directions than prices in other parts of the world.
- (v) Additionally prices for US and domestic customers of HAS are not comparable because there are no known SMX manufacturers outside China and India and therefore we do not have the market pressure by declining SMX prices to reduce HAS prices in the same speed and with the same consequences.

- (vi) The Indian producer Deepak Nitrite has a very small production capacity, which covers only 10% of the total Indian market demand. This small capacity does not allow producing at competitive low costs due to the lack of economies of scale. Additionally the production technology of Deepak Nitrite is outdated. These could explain why Deepak Nitrite is not cost competitive. Companies like DSM Netherlands who worked on the same technology like Deepak Nitrite had to give up their production 1997 even in times where the market prices were on a much higher level. Therefore the alleged injury is from our point of view self-inflicted and not caused by alleged dumped imports.
- (vii) The information made available by the exporters has been examined and considered by the Authority in the findings at appropriate places.

4. VIEWS OF IMPORTERS:

(a) GODAVARY DRUGS LIMITED

- (i) That we are manufacturing SMX and there are about six industries in India who manufacture roughly 80% of world requirement i.e. 700 MT per month, misc. and other manufacturers 200 MT per month.
- (ii) HAS is consumed at a ratio of 0.8 to a Kg of SMX as such the consumption of HAS by SMX manufacturer is approximately 700 MT per month.
- (iii) On an average 60% of SMX produced is exported there by bringing precious foreign exchange approximately to the tune of about US\$324 lakhs per annum.
- (iv) Presently HAS is imported from various manufacturers from different countries like Japan, USA, Germany.
- (v) The only local manufacturer viz. Deepak Nitrate is having original capacity of 60 tons which has been now enhanced to 120 MT per month, and our information reveals that they are not manufacturing more than 80 to 90 tons per month.
- (vi) The above capacity cannot fulfill requirement of six major consumers viz. Virchow, Siris and Godavari Drugs Ltd, Indosol, Apte which consumes estimated 550 MT of HAS every month.
- (vii) The major consideration while investigating the anti dumping initiation of Hydroxyl Amine Sulphate, the following facts have to be considered:
 - (a) That all the major SMX manufacturers are loosing heavily due to internal competition on SMX prices of which are governed by international market and trends of Rate of SMX were as low as US\$6/Kg compared to US\$9.00 during 1997-98.

- (b) HAS being one of the main raw material for manufacturing SMX will add more to the heavy losses the industry is suffering as it is.
- (c) Further the quality of local HAS do not stand anywhere in comparison and is not consistent when compared to imported material, which directly effects the yield of SMX, causing financial losses.
- (d) When the Government is not in a position to avoid internal competition of SMX manufacturers, which are having huge losses due to low realisation on sales, it will not be advisable to give protection to the local manufacturer who is not in a position to fulfill small percentage (around 15%) of our total requirement of HAS.

In today's market scenario unless an industry establishes viable production capacity it cannot withstand international level competition due to higher overheads and financial costs because of low capacity. (The local manufacturers of Hydroxyl Amine Sulphate as it enjoys the benefit of 38.5% customs duty levied on import of this material (HAS)).

Foreign producers are continuously investing in R&D by adopting latest techniques in production and different routes in their inputs to bring down the cost of production. The most glaring example of this can be seen from various antibiotics, and several other bulk drugs for example Cipro was sold @Rs.18,000/- per Kg, which is at present available as low Rs.1300 to 1400 per Kg. when the cost of labour wages, power, fuel has gone up. Several times in last 7 to 8 years. This has shut down most of the global manufacturers, which are now sourcing this drugs from India.

- (e) International prices of Hydroxyl Amine Sulphate are automatically governed by the sale price of SMX, which has been very low at around US\$6/Kg during the investigation period of July to December, 1999.
- (f) The protection if required by any industry should be accorded only when they are able to fulfill absolute requirement of local industry and are not in a position to export due to uneconomical prices prevailing in international market.
- (g) When the Govt. is talking of total liberalisation and globalisation, the local industry consuming HAS cannot compete in international market wherein the revenue earned by SMX manufacturers in forex is many times more than the local manufacturer of HAS.
- (h) The Government will only be supporting monopolistic trend by encouraging single industry not capable of catering to local demand in terms of quality and quantity, which is against the present terms and guidelines now favoured by the Government.

When the general trend of international prices are settling down at a particular level it is unfair to jack up the prices by imposing anti dumping

duty. Otherwise granting anti dumping duty in this case will be suicidal for local SMX manufacturers.

(b) **SHASUN CHEMICALS AND DRUGS LTD.**

- (i) The Anti-Dumping Duty on Hydroxyl Amine Sulphate if levied on the current German/Japan landed price of Hydroxyl Amine Sulphate would effectively push up the cost of production, which margin is definitely not available in the highly competitive market for Ranitidine not to speak of the declining trend in the international Ranitidine price. Hence, levy of Anti-Dumping Duty on imported Hydroxyl Amine Sulphate would result in a negative revenue for the Ranitidine manufacturers in the competitive international market. It is needless to add that if Anti-Dumping Duty is levied, exports would be practically impossible using the indigenous raw material even if drawback is granted on excise duty paid on the indigenous raw material.
- (ii) We submit that there is no justification whatsoever for such a levy itself. There is no evidence to show the existence of dumping and the margin of Anti-Dumping Duty, which has been calculated. The local manufacturers of Hydroxyl Amine Sulphate have adequate margin for their supplies and does not require any support for the imposition of additional duty by way Anti-Dumping Duty.

(c) **VIRCHOW LABORATORIES LIMITED**

- (i) The petitioner has in the past imported HAS and therefore, does not qualify for domestic industry status. Thus, this petition cannot be filed by M/s Deepak Nitrite Limited.
- (ii) No evidence of injury to domestic industry. There is no evidence of significant increase in imports of HAS, either in absolute terms or relating to the production or consumption in India. In fact, the total imports of HAS into India have either remained constant or reduced over the corresponding period. The capacity utilization and production of the petitioner has increased over the same period.
- (iii) The route of manufacture of HAS by the petitioner (through Raschig's process) is different to the route employed by foreign manufacturers. The domestic process is highly inefficient, more expensive and heavily polluting. Imposition of Anti-Dumping Duty would only encourage an inefficient producer and cause him not to change his route of manufacture. This would in turn damage the environment and cause a lot of clean up costs. Thus, injury, if any, is due to the fact that the petitioner employs an inefficient process and there is evidence of causal link between the injury and the import of HAS into India.
- (iv) The petitioner is the only producer of HAS in India and hence imposition of Anti-Dumping Duty would result in a monopoly status to the petitioner. In the absence of fair competition, the petitioner would then be in a

position to encourage restrictive trade practices, which would have a harmful effect on the SMX (and other bulk drugs) industry.

- (v) The capacity of the petitioner is only a small proportion of the total consumption of HAS in India. In no case can the petitioner meet the entire needs of the country.
- (vi) HAS is an important component of cost of production of SMX and any increase in price of HAS would result in increase in price of SMX, affecting the common man.
- (vii) India exports more than 50% of its production of SMX and any increase in price of SMX would affect export of SMX causing injury to the user industry.
- (viii) While it is true that prices of HAS have declined over the past few years, this is true in every market in the world, due to increased level of competition among the HAS producers. Furthermore, SMX prices have constantly been declining and the raw material prices have just followed that trend.
- (ix) Indian users are bulk consumers of HAS and the prices offered to Indian users is a reflection of the fact that quantities in which HAS is sold in India is greater than the quantities in which it is sold in the said countries. Thus, the normal value has to be adjusted for these factors.
- (x) The normal value in the home country (in the case of EU) has to be adjusted for the fact that all the indirect taxes paid for production of goods meant for export are refunded while the taxes paid for production of goods meant for home consumption are not refunded. Thus, the domestic price could be higher than the export price.
- (xi) Virchow has never been satisfied with the quality of product of the petitioner as it has resulted in loss of yield of finished product. This is evidenced by the fact that Virchow has never purchased HAS from the petitioner in the period under investigation even though the petitioner has indicated many times that he would be matching the imported rates. Any quantities that Virchow might have purchased subsequently were only on trial basis. The trial purchases resulted in loss of yields and Virchow has never purchased from M/s Deepak Nitrite Limited.

(d) **SIRIS LIMITED**

- (i) We are a regular importer of Hydroxyl Amine Sulphate and one of the largest consumers for our Resultant product of SMX. We have started procuring small quantities from domestic supplier when they have started and the quantity of the product was not at all par with the imported material.

- (ii) As per our knowledge the Indian demand be 6000 Mts. Per year. But domestic manufacturer capacities are not even 10% of the Indian demand.
- (iii) The international prices are decreased because of the end product prices are not moving well both in domestic and international market due to the heavy competition from China.
- (ii) If the raw material cost increased we are not in a position to compete in domestic and international market for the end product.
- (v) Out of the total export turnover the major part of the exports is covering by export of SMX only. Nearly 42%-55% of our turnover and foreign exchange earnings are export of SMX. If we do not compete in the international market, we will loose foreign currency heavily. The Drug Price Control Order for the SMX is Rs.419/- per kg.. But we are selling in the market in the average of Rs.350/- per Kg.. So, we are already lose Rs. 69 per Kg.

D. EXAMINATION OF THE ISSUES RAISED

- 5. The foregoing submissions made by the exporters, importers, petitioner and other interested parties, to the extent these are relevant as per Rules and to extent these have a bearing upon the case, have been examined and considered and have been dealt with at appropriate places in the notification.

E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION & SCOPE OF INVESTIGATION

- 6. The product considered in the present investigation is Hydroxyl Amine Sulphate originating in or exported from USA, Japan and the European Union (EU). Hydroxyl Amine Sulphate is classified, under the Custom-sub heading 2825.1003 of the Custom Tariff Act, 1975. The classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

F. LIKE ARTICLE

- 7. (a) Rule 2(d) of the Anti-Dumping Rules specifies that "Like Articles" means an article which is identical or alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an article, another article, having characteristics closely resembling those of the articles under examination.
- (b) The petitioner has claimed that there is no significant difference in Hydroxyl Amine Sulphate produced in India and Hydroxyl Amine Sulphate exported from subject countries. Hydroxyl Amine Sulphate produced by domestic industry and imported from these countries are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and

uses, product specification, pricing, distribution and marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers have used the two interchangeably. Therefore, Hydroxyl Amine Sulphate produced by the petitioner and imported from subject countries should be treated as like articles in accordance with the anti dumping rules.

The petitioner has also claimed that there are two methods available for production of Hydroxyl Amine Sulphate. Domestic industry is producing Hydroxyl Amine Sulphate with Raschig's process and other method of production for Hydroxyl Amine Sulphate is by hydrogenation of Nitric Oxide over platinum catalyst in presence of dilute sulphuric acid. The HAS solution is then separated out by crystallizing and centrifuging. Domestic industry has further stated that they are not aware about the method adopted by the producers in the subject countries. However, it is submitted that the difference in method adopted has no significant impact on marketing, pricing, specification etc..

- (c) In view of the same, the Authority holds that Hydroxyl Amine Sulphate being produced by the domestic industry and those being imported from the subject countries can be used interchangeably and thus are commercially and technically substitutable and therefore, are Like Articles within the meaning of the Rules.

G. DOMESTIC INDUSTRY

8. The petition has been filed by M/s. Deepak Nitrite Limited having its Registered Office at Alkapuri, Baroda-390007. The petitioner is the sole producer of the subject goods in India. Therefore, the petitioner fulfils the requisite criteria to represent the domestic industry, as required under the Rules.

**H. DUMPING
NORMAL VALUE:**

9. The Authority has examined Normal Value in relation to the Rules in Section 9A(1)(c).
10. The Authority sent the questionnaire to the exporters from the subject countries in terms of the section cited above. The claims made by the exporters with regards to the Normal value and the export price are as under: -

I. Exporters from USA, Japan and EU

11. The response was received from M/s BASF Aktiengesellschaft, Germany, M/s UBE Industries Limited, Japan, who had furnished the details of the exports made to India during the period of investigation and the domestic sales. M/s Toagosei Company Ltd., Japan. and M/s DSM, Netherlands have submitted that they have

not exported the subject material during period of investigation. M/s DSM has further stated that since January, 1998 they are not producing or exporting Hydroxyl Amine Sulphate any more, hence there is no necessity to participate in the investigation. The claims made by the exporters with regard to the Normal Value and the Export Price are discussed herein under: -

BASF, GERMANY:

12. Normal Value:

The exporters furnished the month wise details of the sales of Hydroxyl Amine Sulphate in the domestic market. M/s BASF sold ****Kg of Hydroxyl Amine Sulphate in the domestic market at a sales value of US\$****. Thus, the average sales realisation in the domestic market was US\$**** per kg. M/s BASF has also submitted its cost of production of Hydroxyl Amine Sulphate. The expenses have been claimed in respect of Commission, Packing, Inland Freight to arrive at the Ex-factory price of domestic sales. Accordingly, an Ex-factory domestic price of US\$**** per Kg. was claimed.

The Authority has, however, allowed Commission ***, Packing ***, Inland Freight *** for the purpose of preliminary determination, pending further investigations. The normal value comes to US\$**** per Kg..

13. Export Price:

The exporter has exported **** Kg. of Hydroxyl Amine Sulphate to India for a total value of US\$****. Accordingly, the average export price of Hydroxyl Amine Sulphate during the period of investigation works out to US\$**** per kg. The exporter has claimed adjustments on account of Commission (***), Inland Freight (***), Overseas Freight (***) and Packing (***). Thus the Ex-factory price for export sales to India is claimed at ****/Kg. The Authority has allowed above adjustments for the purpose of preliminary determination, pending further investigation. Thus, the dumping margin in case of BASF Germany from EU is assessed by Authority at US\$**** per Kg. or 60.09%.

14. Other Exporters from EU:

The Authority provided opportunity to the exporters from EU to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the Section cited above. The Authority wrote to the Delegation of EU in India also. However, no other exporters from EU have responded to the Authority's request for information. The claim made by the petitioner with the regard to the determination of normal value has also not been

disputed by the other interested party(ies). The Authority has, therefore, proceeded on the basis of Rule 6(8), i.e. best information available.

The Authority has determined the normal value of other exporters on same basis as for the co-operative exporter. The export price in case of other exporters has been considered on the basis of the lowest export price of the co-operative exporter from EU.

Thus, the dumping margin in case of Non-co-operative/other exporters of Hydroxyl Amine Sulphate from EU is assessed by Authority at US\$**** per Kg. or 89.84%.

M/s UBE INDUSTRIES LTD. JAPAN

Normal Value:

15. M/s UBE has stated that goods under consideration used by them are sold in the Japanese market through distributors.
16. M/s UBE has stated that they are not distributor of concerned goods in Japanese market, data regarding such as "Margin(balance of purchase price and resale price of distributors which is normally 3-5% of purchase price)' is not provided.
17. The exporters furnished the month wise details of the sales of Hydroxyl Amine Sulphate in the domestic market. M/s UBE sold ****Kg of Hydroxyl Amine Sulphate in the domestic market at a sales value of US\$****. Thus, the average sales realisation in the domestic market was US\$**** per kg. M/s UBE has also submitted its cost of production of Hydroxyl Amine Sulphate. The expenses have been claimed in respect of Packing, Inland Freight, insurance and handling to arrive at the Ex-factory price of domestic sales. Accordingly, an Ex-factory domestic price of US\$**** per Kg. was claimed.

The Authority has, however, allowed packing charges ***, inland Freight ***, insurance *** and handling *** for the purpose of preliminary determination, pending further investigations. The normal value comes to US\$*** per Kg..

EXPORT PRICE:

e exporter has mentioned that subject material under nsideration produced by them are sold to distributors/trading uses and they exported it to India. The subject material oduced by M/s UBE exported to India through M/s Nissho Iwai), M/s Mitui &Co. Ltd. and M/s Mitsuya Boeki Ltd., Japan.

/s UBE has stated, though they have not exported the subject aterial, data regarding exports such as Exports Selling Price

(CIF basis), and charges after FOB is provided based on information supplied by exporters, i.e. distributors/trading houses.

The exporters M/s. UBE Industries Ltd. have exported **** Kg. of Hydroxyl Amine Sulphate to India for a total value of US\$****. Accordingly, the average export price of Hydroxyl Amine Sulphate during the period of investigation works out to US\$**** per kg. The exporter has claimed adjustments on account of commission (***), inland freight (***), overseas freight (***), insurance (***), overseas insurance (***), packing (***), handling (***), forwarding (***), and interest (***). Thus the ex-factory price for export sales to India is claimed at ****/Kg. The Authority has allowed above adjustments for the purpose of preliminary determination, pending further investigation.

Thus, the dumping margin in case of exports by M/s UBE, Japan is assessed by Authority at US\$*** per Kg. or 79.16%.

Authority sought a clarification from M/s UBE regarding their statement that they have exported the subject material in India through three distributors named above, whether these distributors/trading houses have exported the subject material produced by M/s UBE only, in India during period of investigation.

M/s UBE has clarified that during period of investigation all three distributors/trading houses did not export Hydroxyl Amine Sulphate to India produced by any other company than theirs.

Accordingly, the dumping margin is 79.16% for M/s Nissho Iwai Co., M/s Mitui & Co. Ltd. and M/s Mitsuya Boeki Ltd., Japan. as assessed for M/s UBE Industries Ltd..

OTHER EXPORTERS FROM JAPAN:

- (i) The Authority provided opportunity to the exporters from Japan to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the section cited above. The Authority wrote to the Embassy of Japan in India also. However, no other exporters from Japan have responded to the Authority's request for information. The claim made by the petitioner with the regard to the determination of normal value has also not been disputed by the other interested party(ies). The Authority has, therefore, proceeded on the basis of Rule 6(8), i.e. best information available.
- (ii) The Authority has determined the normal value for other exporters on same basis as for co-operative exporter. The export price in

case of other exporters has been considered on the basis of lowest export price of the co-operative exporter from EU.

- (iii) Thus, the dumping margin in case of Non-co-operative exporters of Hydroxyl Amine Sulphate from Japan is assessed by Authority at US\$**** per Kg. or 85.38%.

18 EXPORTERS FROM USA

- (a) The Authority provided opportunity to the exporters from USA to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the section cited above. The Authority also wrote to the Embassy of USA in India. However, none of the exporters from USA have responded to the Authority's request for information.
- (b) The claim made by the petitioner with regard to the determination of normal value has also not been disputed by any interested party (ies). The Authority has, therefore, proceeded on the basis of Rule 6(8), i.e., best information available.
- (c) The normal value was determined at the time of initiation of the investigations on the basis of price of HAS prevailing in USA as provided by the petitioner. The Authority has considered the same as the basis for determination of the normal value after appropriate adjustment.
- (d) The export price has been determined on the basis of the information compiled by the DGCI&S. The average export price has been adjusted for commission, insurance, inland freight, overseas freight, port expenses as claimed by domestic industry.

19. The Rules relating to comparison provides as follows:

“While arriving at margin of dumping, the designated authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability.”

20. Based on the Normal Value and the Export Price, as discussed above, the dumping margins in respect of individual exporters and the specific countries, is as under: -

S. No.	Country/Exporter	Dumping Margin %
1.	<u>EU</u> 1) M/s BASF 2) Other Exporters	60.09 89.84
2.	<u>JAPAN</u> 1) M/s UBE Industries Ltd. 2) M/s Nissho Iwai Co. 3) M/s Mitui & Co. Ltd. 4) M/s Mitsuya Boeki Ltd. 5) Others Exporters	79.16 79.16 79.16 79.16 85.38
3.	<u>USA</u> All Exporters	67.51

J. **INJURY & CAUSAL LINK:**

21. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the Like Article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
22. For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.
23. The various parameters indicating injury to the domestic industry are as follows: -

(a) **Production and capacity utilization: -**

The production of the petitioner company has decreased from 643 MT as against capacity 750 MT per annum in 1997-98 to 376 MT as against capacity of 487.5 MT in the period of investigation. Capacity utilisation in terms of percentage which was 85.73% during 1997-98 came down to 77.12% during period of investigation.

(b) **Sales Quantity: -**

The Petitioner Company sold 258 MT of Hydroxyl Amine Sulphate during the period of investigation (annualised 516MT) as compared to 672 MT in financial year 1998-99.

(c) **Sales Realisation: -**

The average sales realisation of the petitioner company during 1997-98 was Rs.****/Kg which has further decline to Rs****/Kg in 1998-99. There was a decline in the sales realisation during the period of investigation and the same was at Rs.****/Kg.. The sales realisation of the Petitioner Company during the period was also below its cost of production.

(d) **Profitability:**

During the financial year 1997-98, the losses of the company from the Hydroxyl Amine Sulphate operation was Rs.*** lacs increased to Rs.*** lacs during 1998-99. The losses further increased to Rs.**** lacs during the period of investigation .

(e) **Loss contracts:**

The domestic industry is either loosing its consumers or its offtake as some of the customers are declining due to availability of dumped imports from the subject countries.

(f) **Decline in export price:**

The export price from the subject countries have declined significantly. The decline in export price after July, 1999 is more significant as duty paid import price has come down as low as Rs. 56000 MT as compared to Rs.101504/ MT in 1996-97, Rs. 96672/MT during 1997-98.

(g) **Increase in imports from subject countries**

The imports from subject countries at 3061.46 MT during 1997-98 came down to 2883.72 MT during 1998-99 to 1482.78 MT during July to November, 1999(five months) (annualised pro rata imports 3851.48 MT approx.) which shows increase in imports from subject countries.

(h) **Market share of domestic industry**

The total sales of the petitioner company was 745.25 MT as against the total demand of 3629.25 MT in 1998. During the first half of 1999 total sales was 413.63 MT as against the total demand of 1189.63 MT which

further declined to 254.33 MT against the total demand of about 2000 MT during the period of investigation

24. The Authority, therefore, notes from the above that the imports from the subject countries have been at a price below the selling prices of the domestic industry. Further, the imports into India have been at a price lower than the non-injurious price for the domestic industry. As a consequence thereof the petitioner was forced to sell its product at a price significantly below its non-injurious price resulting in financial losses to the petitioner. The petitioner was also prevented from increasing the level of capacity utilisation. These parameters collectively and cumulatively indicate that the petitioner has suffered material injury due to the dumped imports.

K. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

25. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the petitioner companies and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.
26. It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the petitioner companies. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the petitioner companies and help maintain availability of wider choice to the consumers of Hydroxyl Amine Sulphate. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
27. To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the petitioner companies, the Authority has relied upon non - injurious selling price of Hydroxyl Amine Sulphate in India for the petitioner companies, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the petitioner companies.
28. Injury caused to the domestic industry from factors other than dumping, if any, have not been considered while recommending the amount of Anti-Dumping Duty necessary to remove the injury to the domestic industry caused by dumped imports.

- 29 The Authority does not recommend restriction on imports or supplies from any particular source, and therefore, availability of Hydroxyl Amine Sulphate to the consumers would not be affected in the event of imposition of Anti-Dumping Duty.

Since M/s Toagosei Co. Ltd., Japan did not export to India during the period of investigation, it attracts Rule 22, which provides that the Authority may carry out a review for the purpose of determining individual margins of dumping for any exporter(s) or producer(s) who had not exported the product during the period of investigation.

L **CONCLUSIONS:**

30. After considering the foregoing the Authority concludes that.
- (a) Hydroxyl Amine Sulphate originating in or exported from USA, Japan and European Union (EU) has been exported to India below normal value, resulting in dumping;
 - (b) The Indian industry has suffered material injury ;
 - (c) The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject countries.
- 31 It is considered necessary to impose anti dumping duty, provisionally, pending final determination, on all imports of Hydroxyl Amine Sulphate originating in or exported from USA, Japan and EU.
32. The authority considered recommending the amount of Anti-Dumping Duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to domestic industry. The average landed price of the imports, for the purpose, was compared with the non-injurious selling price of the Petitioner Company, determined for the period of investigations. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended. It is considered necessary to impose antidumping duty, provisionally, pending further investigation and final determination on all imports of Hydroxyl Amine Sulphate originating in or exported from USA, Japan and EU.

33. Accordingly, the Authority recommends that provisional duties be imposed, on all imports of Hydroxyl Amine Sulphate originating in or exported from USA, Japan and EU. The Anti-Dumping duty shall be the difference between the amount mentioned in column 3 of the following table and the landed value of imports per MT, to be imposed from the date of Notification to be issued in this regard by the Central Govt. on all the imports of Hydroxyl Amine Sulphate falling under Chapter 28 of the Customs Tariff, originating in or exported from the countries mentioned below: -

1	2	3
S. No.	Exporter/Country	Amount (US\$ Per MT)
1. USA	USA- All Exporters	1751.33
2. EU	M/s. BASF, Germany	1709.34
	EU-Other exporters	1751.34
3. JAPAN	JAPAN	
	1) M/s UBE Industries Ltd.	1751.34
	2) M/s Nissho Iwai Co.	1751.34
	3) M/s Mitui & Co. Ltd.	1751.34
	4) M/s Mitsuya Boeki Ltd.	1751.34
	5) Other exporters	1751.34

34. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975

M. FURTHER PROCEDURE:

35. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-
- The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
 - Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be interested are being addressed separately by the Authority. They may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of this letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.

- (c) The Authority would provide opportunity to all the interested parties for oral submissions to be rendered thereafter in writing.
- (d) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary.
- (e) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority